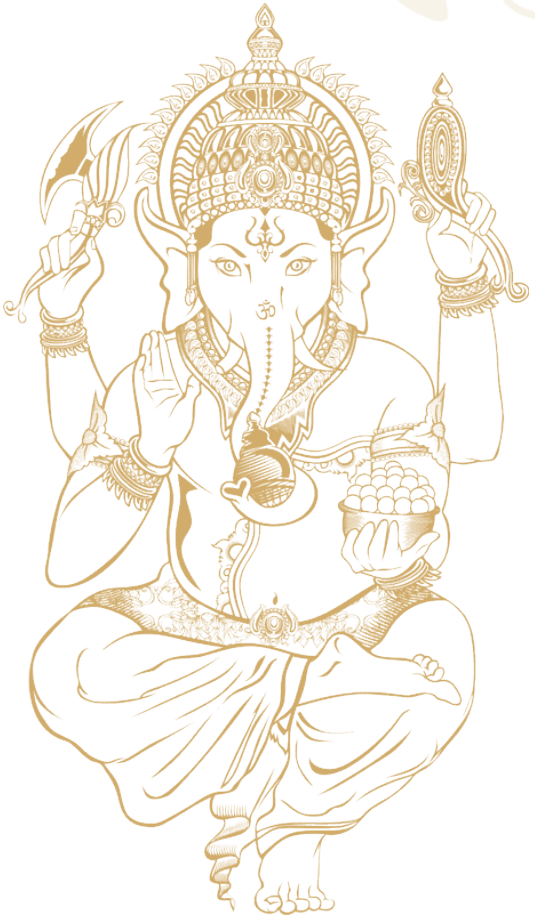

Vaibhav Kumar

28 Sep 2003

03:12 PM

Hardwar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121485607

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**28/09/2003**
दिन	रविवार
जन्म समय	**15:12:00 घंटे**
इष्ट	22:38:07 घटी
स्थान	**Hardwar**
राज्य	Uttarakhand
देश	India

अक्षांश	29:58:00 उत्तर
रेखांश	78:09:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:17:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	14:54:36 घंटे
वेलान्तर	00:09:08 घंटे
साम्पातिक काल	15:21:38 घंटे
सूर्योदय	06:08:45 घंटे
सूर्यास्त	18:07:16 घंटे
दिनमान	11:58:32 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	10:57:08 कन्या
लग्न के अंश	12:56:37 मकर

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मकर - शनि
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**स्वाति - 2**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	वैधृति
करण	गर
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	रे-रेवती
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मक	12:56:37	422:09:50	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
सूर्य			कन्या	10:57:08	00:58:54	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	चंद्र	सम राशि
चंद्र			तुला	12:08:11	14:44:19	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	सम राशि
मंगल			कुंभ	06:13:16	00:00:53	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	सम राशि
बुध			सिंह	23:15:02	01:09:18	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	मित्र राशि
गुरु			सिंह	12:54:30	00:12:15	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	मित्र राशि
शुक्र			कन्या	21:55:58	01:14:38	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	नीच राशि
शनि			मिथु	18:38:13	00:02:58	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	मित्र राशि
राहु	व		मेष	27:22:10	00:01:57	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	27:22:10	00:01:57	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	सम राशि
हर्ष	व		कुंभ	05:39:12	00:01:48	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	---
नेप	व		मक	16:39:29	00:00:47	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	---
प्लूटो			वृश्चि	23:34:42	00:00:59	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	---
दशम भाव			तुला	28:54:13	--	विशाखा	--	16	शुक्र	गुरु	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:19

लग्न-चलित

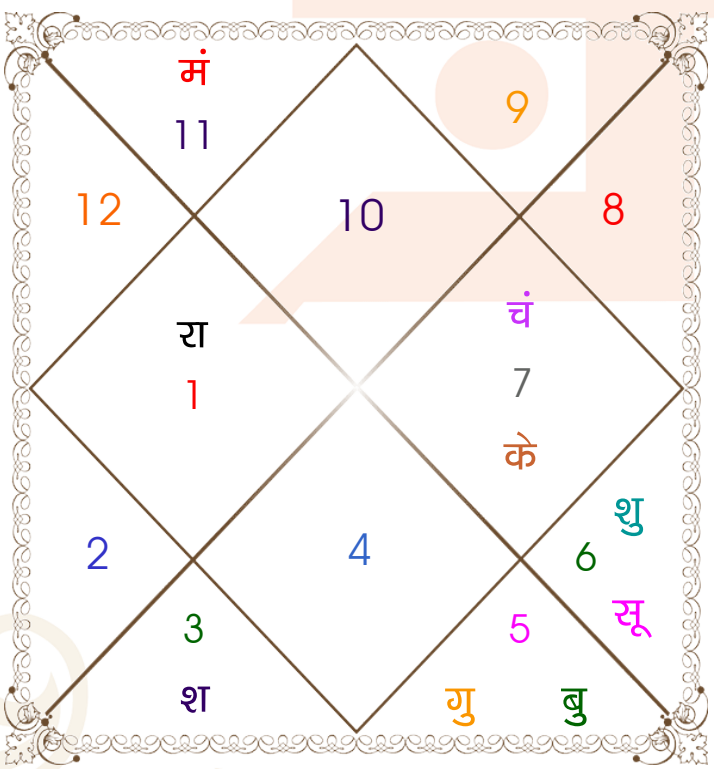

चन्द्र कुंडली

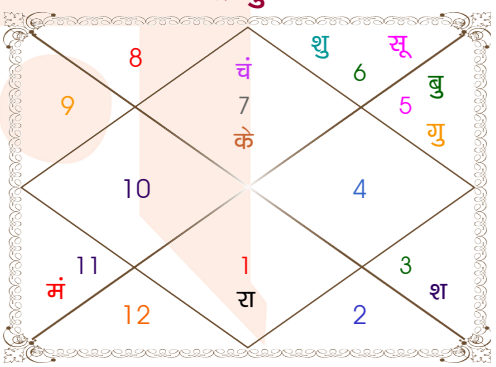

नवमांश कुंडली

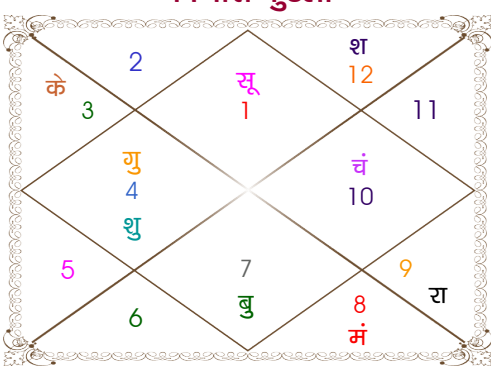

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 10 वर्ष 7 मास 11 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
28/09/2003		11/05/2014		11/05/2030		10/05/2049		11/05/2066	
11/05/2014		11/05/2030		10/05/2049		11/05/2066		10/05/2073	
	00/00/0000	गुरु	28/06/2016	शनि	13/05/2033	बुध	07/10/2051	केतु	07/10/2066
	28/09/2003	शनि	09/01/2019	बुध	22/01/2036	केतु	03/10/2052	शुक्र	07/12/2067
शनि	22/04/2004	बुध	16/04/2021	केतु	01/03/2037	शुक्र	04/08/2055	सूर्य	13/04/2068
बुध	09/11/2006	केतु	23/03/2022	शुक्र	01/05/2040	सूर्य	10/06/2056	चंद्र	12/11/2068
केतु	28/11/2007	शुक्र	21/11/2024	सूर्य	13/04/2041	चंद्र	09/11/2057	मंगल	10/04/2069
शुक्र	28/11/2010	सूर्य	09/09/2025	चंद्र	12/11/2042	मंगल	06/11/2058	राहु	28/04/2070
सूर्य	22/10/2011	चंद्र	09/01/2027	मंगल	22/12/2043	राहु	26/05/2061	गुरु	04/04/2071
चंद्र	22/04/2013	मंगल	16/12/2027	राहु	28/10/2046	गुरु	31/08/2063	शनि	13/05/2072
मंगल	11/05/2014	राहु	11/05/2030	गुरु	10/05/2049	शनि	11/05/2066	बुध	10/05/2073

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
10/05/2073		10/05/2093		11/05/2099		11/05/2109		11/05/2116	
10/05/2093		11/05/2099		11/05/2109		11/05/2116		00/00/0000	
शुक्र	09/09/2076	सूर्य	28/08/2093	चंद्र	11/03/2100	मंगल	08/10/2109	राहु	22/01/2119
सूर्य	09/09/2077	चंद्र	27/02/2094	मंगल	10/10/2100	राहु	26/10/2110	गुरु	17/06/2121
चंद्र	11/05/2079	मंगल	04/07/2094	राहु	11/04/2102	गुरु	02/10/2111	शनि	29/09/2123
मंगल	10/07/2080	राहु	29/05/2095	गुरु	11/08/2103	शनि	10/11/2112		00/00/0000
राहु	11/07/2083	गुरु	16/03/2096	शनि	11/03/2105	बुध	07/11/2113		00/00/0000
गुरु	11/03/2086	शनि	26/02/2097	बुध	11/08/2106	केतु	05/04/2114		00/00/0000
शनि	10/05/2089	बुध	03/01/2098	केतु	12/03/2107	शुक्र	05/06/2115		00/00/0000
बुध	10/03/2092	केतु	11/05/2098	शुक्र	10/11/2108	सूर्य	11/10/2115		00/00/0000
केतु	10/05/2093	शुक्र	11/05/2099	सूर्य	11/05/2109	चंद्र	11/05/2116		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 10 वर्ष 7 मा 15 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म प्रभाव से अनुकूल संकेत यह प्राप्त हो रहा है कि आप अपने जीवन में प्रसिद्धि प्राप्त कर अपने नाम को उजागर करेंगे। क्योंकि आपका जन्म श्रवण नक्षत्र के प्रथम चरण में मकर लग्न में उस समय हुआ, जिसमें मेदिनीय क्षितिज पर लग्न के साथ-साथ मेष का नवमांश एवं वृषभ राशि का द्रेष्काण लग्न के साथ ही उदित हुआ था। मकर राशीय आकृति से यह भी स्पष्ट हो रहा है कि आप हर दशा में धन संचित कर सुखद आनंददायक पारिवारिक जीवन का आनंद प्राप्त करेंगे। आपके साथ सुंदर एवं समझदार पत्नी एवं अच्छे पुत्रादि के संयोजन का प्रभाव परिलक्षित हो रहा है।

आपके जीवन का अत्यंत अनुकूल समय आपकी आयु के 19 वें वर्ष से 24 वें वर्ष का समय रहेगा। इस अवधि में आप बहुत सफलता प्राप्त कर, धनी व्यक्ति बन जाएंगे। आप इस अवधि में समय का सदुपयोग कर के आपके लिए पर्याप्त धन एकत्र करने का सुंदर समय रहेगा। इसलिए आप कोई किसी प्रकार के आभाव के प्रति चिंतित न हो। क्योंकि आपके पास इतना धन हो जाएगा कि आपका संपूर्ण जीवन विस्तार पूर्वक व्यतीत होगा।

आप एक उत्तम मेधावी एवं शक्ति संपन्न प्राणी होंगे। आप अपनी सफलता हेतु किसी भी प्रकार के साहसिक कार्य को संपादन करने हेतु सक्षम हैं। आपके लिए व्यवसायों में आपके गुण के अनुसार भूमि से संबंधित कार्य अति अनुकूल होंगे। यथा खनिज, कोयला (खुदाई) खनन का कार्य, कृषि कार्य, तेल एवं पेट्रोल का कार्य, लाभदायक होगा। यदि आप अपनी बुद्धि को असंतुलित कर ले तो अपने स्तर में विकास कर विशिष्टता प्राप्त कर सकते हैं तथा आप अपने लक्ष्य की प्राप्ति विश्वसनीयता पूर्वक कर सकते हैं। आप सर्वथा गायन कला, गणितीय कार्य एवं ज्योतिषीय कार्य में जिसमें आपकी अभिरूचि हो उसकी कार्य में सफल होंगे।

आप धार्मिक भावना के आस्तिक प्राणी हैं। ऐसा दृश्य हो रहा है कि आपकी इच्छा धर्म दर्शन की अधिक से अधिक शिक्षा ग्रहण करने की रहेगी एवं पराविद्या के प्रति रूचिवान रहेंगे। आप उदार प्रवृति के प्राणी हैं। आप किसी भी परिस्थिति में धार्मिक अथवा समाज सेवी संस्था को अनुदान प्रदान करने में कभी भी नहीं हिचकेंगे। यह वास्तविकता है कि आप अपने मन की ऊंची लहर को वृद्धावस्था में पूर्ण कर के समाज में सेवा का कार्य करेंगे।

आपके उत्तम आचरण के कारण आपका स्वास्थ्य उत्तम एवं मनोहर रहेगा। परंतु कतिपय अतिरिक्त रोगादि का प्रभाव कुछ समय के लिए प्रभावित कर सकता है। आपकी पाचन शक्ति कमजोर है। आपको कफ, सर्दी, जुकाम अथवा शारीरिक चर्म रोगादि भी प्रभावित कर सकता है। आपको इन रोगादि के प्रति सतर्क रहना चाहिए। आपको सर्वदा अपने शारीरिक कार्य-कलाप के प्रति पैनी दृष्टि रखनी चाहिए। आप आंशिक रूप से शारीरिक जख्म के कारण अधोगामी हो सकते हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन लाभकारी है। परंतु सोमवार, गुरुवार एवं रविवार का दिन प्रतिकूल है।

आपके लिए अंकों में अंक 6, 8 एवं 9 अंक सर्वदा अनुकूल है, परंतु स्पष्ट रूपेण 3 अंक प्रतिकूल हैं।

आपके लिए पीला एवं क्रीम रंग त्यागनीय है। जबकि रंग सफेद, काला, लाल एवं नीला रंग अनुकूल एवं साहस प्रदायक है।